# पाठ 9. गोल– मेजर ध्यानचंद

## पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को 'हॉकी के जादूगर' मेजर ध्यानचंद के बारे में बताना है। इस पाठ के द्वारा बच्चे मेजर ध्यानचंद के जीवन से प्रेरणा लेंगे तथा समझ पाएँगे कि लगन, साधना और कड़ी मेहनत से ही लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

## पाठ का सारांश

मेजर ध्यानचंद अपनी आत्मकथा में बताते हैं कि सन् 1933 में मैं पंजाब रेजिमेंट की ओर से खेला करता था। एक दिन पंजाब रेजिमेंट और सैंपर्स एंड माइनर्स टीम के बीच मुकाबला हो रहा था। माइनर्स टीम के खिलाड़ी मुझसे गेंद छीनने की कोशिश करते पर उनकी कोशिश बेकार जाती। इस पर गुस्सा होकर एक खिलाड़ी ने मेरे सिर पर हॉकी स्टिक मार दी। वापस आकर मैंने उससे कहा कि मैं इसका बदला ज़रूर लूँगा। उसके बाद उस खिलाड़ी का ध्यान मुझ पर ही लगा रहा और मैंने छह गोल कर उसकी टीम को हरा दिया। मैंने उसे समझाया कि बुरा काम करने वाला आदमी हर समय इस बात से डरता है कि उसके साथ भी बुरा किया जाएगा। जब मुझसे कोई सफलता का राज पूछता है तो मैं यही कहता हूँ कि लगन, साधना और खेल-भावना ही सफलता के सबसे बड़े मंत्र हैं। मेरा जन्म प्रयाग में 1904 में एक साधारण परिवार में हुआ और 16 साल में "प्रथम ब्राह्मण रेजिमेंट" में सिपाही के रूप में भर्ती हो गया। वहीं पर सूबेदार के कहने पर हॉकी खेलना शुरू किया। 1936 में बर्लिन ओलंपिक में मुझे कप्तान बनाया गया। वहीं पर मुझे लोगों ने हॉकी का जादूगर कहना शुरू कर दिया। बर्लिन ओलंपिक में स्वर्ण पदक मिला। खेलते समय मैं इस बात का ध्यान रखता था कि यह हार या जीत सिर्फ़ मेरी नहीं बल्कि पूरे देश की है।

## अध्यापन संकेत

पाठ वाचन से पूर्व **पठन-पूर्व चर्चा** में पूछे गए प्रश्नों पर चर्चा करें। पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों को मेजर ध्यानचंद के बारे में बताएँ। हॉकी खेल के बारे में जानकारी प्रदान करें। मेजर ध्यानचंद की सफलता का मंत्र बताएँ। पाठ में निहित जीवन-मूल्यों को बच्चों में विकसित करने का प्रयास करें।

**पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –**

- हॉकी खेल में कितने खिलाड़ी होते हैं?
- क्या आपको खेल में हारने पर गुस्सा आता है?
- खेल में टीम भावना होना कितना आवश्यक है?
- मेजर ध्यानचंद के जीवन से आपको क्या सीख मिलती है?
- सफलता के लिए अनुशासन और लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना क्यों ज़रूरी है?

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।